No. of Printed Pages : **4**

MAE-001

01271

POST-GRADUATE CERTIFICATE IN ADULT EDUCATION (PGCAE)/ POST-GRADUATE DIPLOMA IN ADULT EDUCATION (PGDAE)/ MASTER OF ARTS IN ADULT EDUCATION (MAAE)/ MASTER OF ARTS (EDUCATION) (MAEDU)

Term-End Examination

December, 2018

MAE-001 : UNDERSTANDING ADULT EDUCATION

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : (i) All the four questions are compulsory.

(ii) All questions carry equal weightage.

1. Answer the following question in about **600** words :

Discuss the major changes that took place in the policy direction of adult education in India after independence.

OR

Explain the nature and significance of adult education in the light of its characteristics, objectives and goals.

2. Answer the following question in about **600** words.

Discuss different philosophical traditions that have relevance to adult education.

OR

Critically analyse the relevance of different sociological approaches to adult education.

3. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each :

   (a) Define community. Describe different types of community.

   (b) What is programmed learning or instruction ? How is it relevant to adult education ?

   (c) What are the different types of literacy ?

   (d) Explain the need and significance of institutionalisation of adult education.

   (e) Examine the relevance of psychology to adult learning.

   (f) Explain the role of ICTs in adult education.

4. Answer the following question in about **600** words :

   What is 'participatory evaluation' ? Explain its significance in the field of adult education with emphasis on different approaches to participatory evaluation. Give suitable examples.

प्रौढ़ शिक्षा में परास्नातक प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.ए.ई.)/प्रौढ़ शिक्षा में परास्नातक डिप्लोमा (पी.जी.डी.ए.ई.)/प्रौढ़ शिक्षा में परास्नातक (एम.ए.ए.ई.)/शिक्षा में परास्नातक एम.ए. (शिक्षा) (एम.ए.ई.डी.यू.)

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2018

एम.ए.ई.-001 : प्रौढ़ शिक्षा को समझना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) ***सभी** प्रश्नों की भारिता **समान** हैं।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए : स्वतन्त्रता के बाद भारत में प्रौढ़ शिक्षा के नीति-निर्देशन में घटित होने वाले प्रमुख परिवर्तनों की विवेचना कीजिए।

अथवा

प्रौढ़ शिक्षा की विशिष्टताओं, उद्देश्यों और लक्ष्यों के आलोक में इसकी प्रकृति और महत्त्व की व्याख्या कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए : प्रौढ़ शिक्षा के लिए प्रासंगिक विभिन्न दार्शनिक परम्पराओं की विवेचना कीजिए।

अथवा

प्रौढ़ शिक्षा के विभिन्न समाजशास्त्रीय उपागमों की प्रासंगिकता का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्दों में होना चाहिए :

(a) समुदाय की परिभाषा दीजिए। समुदाय के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

(b) अभिक्रमित अधिगम या अनुदेशन (प्रोग्राम्ड लर्निंग ऑर इन्सट्रक्शन) क्या है? प्रौढ़ शिक्षा के लिए यह किस प्रकार प्रासंगिक है?

(c) साक्षरता के विभिन्न प्रकर क्या हैं?

(d) प्रौढ़-शिक्षा के संस्थाकरण (इन्स्टीट्यूशनलाइजेशन) की आवश्यकता और महत्त्व की व्याख्या कीजिए।

(e) प्रौढ़-अधिगम के मनोविज्ञन की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए।

(f) प्रौढ़ शिक्षा में सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकियों (आई.सी.टीज.) की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

'सहभागी मूल्यांकन (पार्टीशिपेटरी इवैलुएशन)' क्या है? सहभागी मूल्यांकन के विभिन्न उपागमों पर बल देते हुए प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में इसके महत्त्व की व्याख्या कीजिए। उपयुक्त उदाहरण भी दीजिए।